श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 26, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार, 1 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

नहीं रहे भारत रत्न प्रणब मुखर्जी

पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर सरकार की ओर से सात दिनों का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी नहीं रहे। सोमवार को उनका निधन हो गया। कई दिनों से पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी गहन कोमा में थे। 84 वर्षीय मुखर्जी को वेंटिलेटर पर रखा गया था और फेफड़े में संक्रमण का इलाज किया जा रहा था। मुखर्जी के निधन की जानकारी उनके बेटे अभिजीत मुखर्जी ने ट्वीट कर दी है। पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर सरकार की ओर से सात दिनों का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। पूरे भारत में 31 अगस्त से 6 सितंबर तक यह शोक मनाया जाएगा।

मालूम हो कि मस्तिष्क में खून का थक्का बन जाने के कारण उन्हें 10 अगस्त को दोपहर 12.07 बजे गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती किया गया था। सर्जरी से पहले उनकी कोरोना जांच भी कराई गई थी, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इसके बाद डॉक्टरों ने उनके मस्तिष्क से खून के थक्के को हटाने के लिए सर्जरी की थी। फिर भी उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ।

भारत रत्न प्रणब मुखर्जी के जाने पर पूरे देश में शोक की लहर है। नेताओं से लेकर आम जनता उन्हें श्रद्धांजलि दे रही है। उनका राजनीतिक जीवन 40 सालों से भी ज्यादा लंबा रहा है। कांग्रेस पार्टी में रहते हुए उन्होंने विदेश से लेकर रक्षा, वित्त और वाणिज्य मंत्री तक की भूमिका निभाई थी। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन की जानकारी देते हुए बेटे अभिजीत मुखर्जी ने ट्वीट करके लिखा कि भारी मन के साथ, आपको यह सूचित करना है कि मेरे पिता श्री प्रणव मुखर्जी का अभी आरआर अस्पताल के डॉक्टरों के सर्वोत्तम प्रयासों और पूरे भारत में लोगों से मिली दुआओं और प्रार्थनाओं के बावजूद निधन हो गया है। गौरतलब है कि प्रणब मुखर्जी भारत के 13वें राष्ट्रपति के रूप में 2012 से 2017 तक पद पर रह चुके थे। पूर्व राष्ट्रपति को भारत रत्न से भी नवाजा जा चुका है। हालांकि, राष्ट्रपति पद के लिए यूपीए अध्यक्षा सोनिया गांधी की पहली पसंद हामिद अंसारी थे। लेकिन कई क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की पसंद मुखर्जी थे। इससे यह भी पता चला था कि राजनीतिक विभेद के बावजूद प्रणब मुखर्जी की स्वीकार्यता सभी राजनीतिक दलों में थी।

लोकतंत्र और संविधान की लक्ष्मण रेखा का पालन करने वाले राजनेता रहे प्रणब मुखर्जी

नई दिल्ली। समकालीन भारतीय राजनीति में 'इनसाइक्लोपीडिया' माने जाने वाले पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी लोकतांत्रिक और संवैधानिक मर्यादाओं की लक्ष्मण रेखा के पैरोकार राजनेताओं की पीढ़ी के आखिरी स्तंभ थे। लोकतंत्र की जीवंतता के साथ शासन व्यवस्था को संवैधानिक नीति शास्त्र के मार्ग पर चलने के मजबूत हिमायती रहे दादा की राजनीति में एक संकटमोचक की छवि भी बेहद खास रही। पांच दशक से भी अधिक समय तक देश की सियासत में अपनी एक विशिष्ट पहचान जरूर बनाई मगर राजनीति की नहीं बल्कि इसे आखिरी क्षण तक जिया। पश्चिम बंगाल के अपने गांव की पगडंडियों से शुरू जिंदगी के सफर को राष्ट्रपति पद के शिखर तक पहुंचा कर राजनीति को विराम देने वाले प्रणव मुखर्जी ने शासन और राजनीति की मयार्दाओं का हमेशा पालन जरूर किया मगर खामियों पर बेबाक सवाल उठाने से कभी नहीं हिचके। पंडित जवाहर लाल नेहरू की लोकतंत्र की परिभाषा को हमेशा राजनीति में अपने लिए आदर्श मानते रहे दादा इंदिरा गांधी की बेबाकी के प्रशंसक रहे। जीवन पर्यंत कांग्रेस की राजनीतिक विचाराधारा पर दृढ़ रहे प्रणव मुखर्जी का आदर-सम्मान दलीय सीमाओं से इतर था। 2019 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से उनको सम्मानित करने का मोदी सरकार का फैसला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

पहली बार आम नागरिकों के लिए खोला राष्ट्रपति भवन का दरवाजा

वैसे राष्ट्रपति के तौर पर भी प्रणब मुखर्जी के कई कदम रायसीना हिल्स में उनके उत्तराधिकारियों के लिए मिसाल रहेगा। इतिहास और विरासत की अपनी उच्च बौद्धिक संपदा के सहारे राष्ट्रपति भवन में भी दादा ने अपनी अमिट छाप छोड़ी। लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी आस्था रखने 'महामहिम' का संबोधन बंद करने से लेकर राष्ट्रपति भवन का दरवाजा आम नागरिकों के लिए खोलने जैसे बेमिसाल बदलाव कर अपने राष्ट्रपतित्व काल में कई सुनहरे अध्याय लिखे। राष्ट्रपति के रूप में रायसीना पहुंचते ही महामहिम संबोधन दादा को चुभने लगे थे। उनका मानना था कि यह शब्द सामंतशाही ब्रिटिशकाल की ऐसी विरासत है जिसे भारतीय गणतंत्र के राष्ट्रपति के लिए प्रयोग किया जाना उचित नहीं। लोकतंत्र में जनता की आवाज को सर्वोच्च तवज्जो देने वाले दादा ने अपनी इसी सोच के तहत राष्ट्रपति भवन का दरवाजा पहली बार आम नागरिकों के लिए खोला। इसकी वजह से आज उस राष्ट्रपति भवन को देखने सैलानी आते-जाते हैं जिसके दरवाजे कभी उनके लिए खुलते नहीं थे। राष्ट्रपति की शासन संचालन में बेहद सीमित भूमिका है मगर संवैधानिक प्रमुख के नाते कुछ ऐसे विशेषाधिकार हैं। इसमें फांसी की सजा के खिलाफ दया याचिका पर फैसले एक अहम अधिकार है। दादा ने जब 2012 में राष्ट्रपति पद की कमान संभाली तब बड़ी तादाद में लंबित दया याचिकाओं को लेकर सियासत गरम थी। मगर प्रणब ने रिकार्ड बनाते हुए दया याचिकाओं का जिस गति से निपटारा किया उसकी चहुओर सराहना की गई।

प्रणब मुखर्जी के निधन पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने जताया गहरा दु:ख

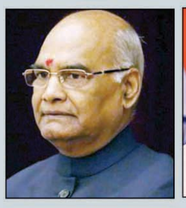

प्रणब मुखर्जी के निधन पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और पीएम मोदी ने गहरा दुख जताया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट कर कहा कि प्रणब मुखर्जी के स्वर्गवास के बारे में सुनकर हृदय को आघात पहुंचा है। उनका देहावसान एक युग की समाप्ति है। प्रणब मुखर्जी के परिवार, मित्र-जनों और सभी देशवासियों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदना व्यक्त करता हूँ।

पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि वे बेहतरीन स्कॉलर थे, राजनीतिक समुदाय में हर कोई करता था उनका सम्मान करता था। पीएम मोदी ने लिखा कि भारत रत्न प्रणब मुखर्जी के निधन पर बहुत दुख हुआ। उन्होंने हमारे राष्ट्र के विकास पथ पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उत्कृष्टता से एक विद्वान, एक राजनेता, वह राजनीतिक स्पेक्ट्रम भर में और समाज के सभी वर्गों द्वारा प्रशंसा की गई थी।

पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत रत्न प्रणब मुखर्जी के निधन का समाचार सुनकर अत्यंत दुख हुआ। वह प्रज्ञावान और कार्य क्षमता वाले थे। उनके परिवार और मित्रों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रणब मुखर्जी के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि मैं पूरे देश के साथ शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार और चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

राज्यपाल आनंदीबेन व सीएम योगी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन पर जताया शोक

लखनऊ, जेएनएन। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का सोमवार को निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे और दिल्ली के अस्पताल में भर्ती थे। पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणब मुखर्जी के निधन की खबर से उत्तर प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई। अपने व्यक्तित्व से सभी को प्रभावित करने वाले विद्वान अर्थशास्त्री और राजनेता मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके निधन को राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया। भारत रत्न प्रणब मुखर्जी के निधन पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी एक वरिष्ठ एवं अनुभवी राजनेता थे। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं के दृष्टिगत उन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया था। वह एक सौम्य और मृदुभाषी नेता थे, जिनका सभी सम्मान करते थे। सीएम योगी ने अपने शोक संदेश में ट्वीट कर कहा कि पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न प्रणब मुखर्जी का निधन राष्ट्र की अपूरणीय क्षति है। वह सार्वजनिक जीवन में शुचिता, पारदर्शिता एवं स्पष्टवादिता की प्रतिमूर्ति थे। सीएम योगी ने परिवारीजन के प्रति संवेदनाएं व्यर्त करते हुए कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने परमधाम में स्थान दें।

उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणब मुखर्जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि महान व्यक्तित्व एवं कृतित्व के धनी प्रणब मुखर्जी को आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त थी। उन्होंने देश के 13वें राष्ट्रपति के रूप में अनेक ऐतिहासिक एवं नीतिगत निर्णय लिए। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे महान व्यक्ति का निधन वास्तव में देश के आर्थिक एवं राजनैतिक क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। आनंदीबेन पटेल ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना एवं सहानुभूति व्यक्त की है।

कोरोना के इलाज के लिए टाटा ट्रस्ट ने दो राज्यों के चार सरकारी अस्पतालों को किया अपग्रेड

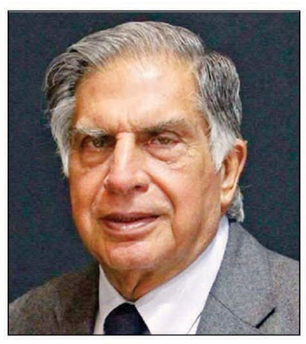

मुंबई, आइएएनएस। टाटा ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के दो-दो सरकारी अस्पतालों को कोरोना के इलाज के लिए अपग्रेड कर प्रशासन को सौंप दिया है। महाराष्ट्र के सांगली में 50 और बुलधना में 104 बिस्तरों के साथ अस्पताल को अपग्रेड किया गया है। वहीं उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में 168 और गोंडा में कोरोना पीड़ितों के लिए 124 बिस्तरों की व्यवस्था की गई है।

हर जगह गंभीर रूप से बीमार लोगों के इलाज के लिए ऑपरेशन थियेटर, पैथोलॉजी और ब्लड बैंक जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसे अपग्रेड करने का निर्णय टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन रतन एन टाटा की पहल पर लिया गया।

गौरतलब है कि टाटा ट्रस्ट ने महामारी से निपटने के लिए विभिन्न राज्यों को कई तरह का सहयोग किया है। वह हर तरह के मास्क, ग्लव्स तथा चश्मे सहित कई तरह के चिकित्सीय सामान राज्यों को उपलब्ध करा चुका है।

चीनी घुसपैठ की बड़ी कोशिश को सेना ने किया नाकाम, 500 चीनी सैनिकों को पीछे धकेला

संजय मिश्र, नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी घुसपैठ की बड़ी कोशिश को भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया है। 29-30 अगस्त की दरम्यानी रात चीन के 500 सैनिकों ने पैंगोंग लेक के दक्षिणी किनारे के इलाके में घुसपैठ की कोशिश की। चीन की चालबाजियों को भांपते हुए वहां पहले से मुस्तैद भारतीय सैनिकों ने उन्हें पीछे धकेल दिया। इस दौरान दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प भी हुई मगर कोई भारतीय सैनिक हताहत नहीं हुआ। चीन की इस हरकत ने दोनों देशों के बीच चार महीने से बने तनाव को बढ़ा दिया है।सीमा पर तनातनी के नए हालात को देखते हुए फिलहाल श्रीनगर-लेह राजमार्ग को आम नागरिकों के लिए बंद कर दिया गया है। सेना ने इस इलाके में तैनाती बढ़ा दी है।

चीनी घुसपैठ को नाकाम करने की इस घटना की जानकारी सोमवार को सेना के प्रवक्ता ने बयान जारी कर दी। मामले को सुलझाने के लिए भारत और चीन के सैन्य कमांडरों के बीच सोमवार को चुशूल में लंबी फ्लैग मीटिंग भी हुई। इस बैठक के नतीजों का अभी इंतजार है।भारतीय सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों ने एलएसी पर जारी मौजूदा गतिरोध को हल करने के लिए सैन्य और कूटनीतिक वाताओं में बनी सहमति का उल्लंघन किया। चीनी सैनिकों ने भड़काने वाली सैन्य गतिविधियों के जरिये पूर्वी लद्दाख में यथास्थिति बदलने कीकोशिश की।

रिया से सीबीआइ और गौरव आर्या से ईडी ने की पूछताछ

राज्य ब्यूरो, मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की संदिग्ध मौत के मामले में सीबीआइ ने सोमवार को लगातार चौथे दिन रिया चक्रवर्ती से लंबी पूछताछ की। दूसरी ओर रिया के नशीली दवाओं से जुड़े होने के संबंध में गोवा के होटल व्यवसायी गौरव आर्या से प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ की। सीबीआइ की एक टीम सोमवार को फिर सुशांत के फ्लैट पर गई थी।

मुंबई में अपनी जांच के 11वें दिन सीबीआइ ने इस मामले की मुख्य आरोपित रिया चक्रवर्ती से अपनी पूछताछ जारी रखी। सोमवार को रिया से पूछताछ का चौथा दिन था। सीबीआइ ने रिया सहित कुल नौ लोगों से पूछताछ की। इनमें एक नया चेहरा सुवेद लोहिया का था, जो रिया का मित्र बताया जाता है। इसके अलावा रिया का भाई शौविक, उनकी बिजनेस मैनेजर श्रुति मोदी, टैलेंट मैनेजर जया साहा, सुशांत के साथ रहनेवाले सिद्धार्थ पिठानी, नीरज सिंह, दीपेश सावंत, हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा से भी सोमवार को पूछताछ जारी रही। सीबीआइ रिया से अब तक करीब 35 घंटे पूछताछ कर चुकी है। सीबीआइ ने वाटरस्टोन रिजॉर्ट के कुछ कर्मचारियों से भी सांताक्रूज स्थित डीआरडीओ गेस्टहाउस में पूछताछ की। यूरोप से लौटने के बाद इसी रिजॉर्ट में सुशांत रिया के साथ करीब दो महीने रहे थे। इसी रिजॉर्ट में रहने के दौरान रिया की जया साहा एवं श्रुति मोदी के साथ वह चैट सामने आई है, जिसमें जया साहा किसी को चाय, कॉफी या पानी में चार बूंद ड्रग देने की सलाह रिया को दे रही है। माना जा रहा है कि सीबीआइ ने जया साहा एवं श्रुति मोदी से इसी संबंध में पूछताछ की होगी। जया साहा और श्रुति मोदी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी लंबी पूछताछ कर चुका है। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो भी इन लोगों से पूछताछ की तैयारी कर रहा है।

रिया चक्रवर्ती से ड्रग्स संबंधी बातचीत सामने आने के बाद ईडी ने गोवा के होटल व्यवसायी गौरव आर्या को भी पूछताछ के लिए बुलाया था। गौरव रविवार रात ही गोवा से मुंबई पहुंच गए थे। वह गोवा स्थित होटल टैमरिंड एवं कैफे कोटिंगा के मालिक हैं। रिया की उनके साथ 2017 की एक चैट ईडी को प्राप्त हुई है। इससे पता चलता है कि रिया न सिर्फ सुशांत के साथ रहते हुए, बल्कि उससे काफी पहले से ड्रग्स के चक्कर में पड़ चुकी थीं। ईडी सूत्रों के अनुसार उनसे रिया के साथ हुई उसकी चैट को लेकर ही पूछताछ की गई है।

सुप्रीम कोर्ट प्रयोग के तौर पर शुरू करेगा फिजिकल सुनवाई, रजिस्ट्री ने जारी किए दिशानिर्देश

नई दिल्ली, पीटीआइ। सुप्रीम कोर्ट प्रयोग के तौर पर सीमित संख्या में मामलों की फिजिकल सुनवाई शुरू करेगा। इसके लिए दिशानिर्देश भी जारी कर दिए गए हैं, लेकिन सुनवाई शुरू करने की तारीख नहीं बताई गई है। फिजिकल सुनवाई से मतलब यह है कि न्यायाधीश और वकील दोनों अदालत आएंगे और कोर्ट रूम में आमने-सामने मामलों की सुनवाई होगी। कोरोना महामारी के चलते राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बाद 25 मार्च से सुप्रीम कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मामलों की सुनवाई हो रही है। लॉकडाउन में रियायत के बाद भी अभी यही व्यवस्था चली आ रही है।

कई बार संगठनों की अपील पर इस महीने के शुरू में जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय कमेटी ने प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे से प्रयोग के तौर पर अतिरिक्त सावधानी के साथ फिजिकल सुनवाई शुरू करने की सिफारिश की थी। हालांकि, कई वकीलों ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए फिजिकल सुनवाई शुरू करने का विरोध भी किया है।

सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल संजीव एस. कलगांवकर ने फिजिकल सुनवाई के लिए दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। लेकिन इसमें यह नहीं बताया गया कि किस तारीख से फिजिकल सुनवाई शुरू होगी। उन्होंने कहा है कि तीन कोर्ट रूम में सीमित मामलों की फिजिकल सुनवाई शुरू हो सकती है। बाद में हालात को देखते हुए कोर्ट रूम के साथ ही मामलों की संख्या भी बढ़ाई जा सकती है।

सुनवाई के दौरान शारीरिक दूरे के मानकों का पालन किया जाएगा। जिन मामलों की सुनवाई होगी, उन्हीं के वकीलों और मुवक्किलों को कोर्ट में जाने की अनुमति होगी। अगर किसी मामले में ज्यादा पक्षकार होंगे तो हर पक्ष एक वकील (एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड) और विपक्ष के एक वकील को प्रवेश दिया जाएगा। हर पक्ष के वकील के लिए एक क्लर्क को भी अदालत में जाने की अनुमति होगी। हर मामले के हिसाब से उसके वकील और पक्षकार को अदालत में जाने के लिए प्रतिदिन पास जारी किए जाएंगे। हर कोर्ट रूम में आने-जाने के लिए अगल-अलग गेट होंगे।

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का फैसला मुखबिर और जांच अधिकारी का एक ही होना दोषमुक्ति का आधार नहीं

नई दिल्ली, आइएएनएस। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने सोमवार को कहा कि नार्कोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत आपराधिक मामले में जांच अधिकारी अगर मुखबिर भी है तो इससे पक्षपात नहीं हो जाता और यह आरोपित के दोषमुक्त होने का एकमात्र आधार नहीं बन जाता। जस्टिस अरुण मिश्रा, जस्टिस इंदिरा बनर्जी, जस्टिस विनीत सरन, जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस रविंद्र भट की पीठ इस सवाल पर फैसला सुना रही थी कि अगर जांच अधिकारी और मुखबिर एक ही व्यक्ति है तो क्या एनडीपीएस एक्ट के तहत जांच निरस्त हो जाएगी। पीठ ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस बारे में एक समान नियम नहीं हो सकता और न ही इस आशंका पर स्वतः पहुंचा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में केस-टू-केस आधार पर फैसला लेना होगा। 2018 में सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने फैसला सुनाया था कि ऐसे मामले में मुकदमा निरस्त हो जाएगा अगर मुखबिर और जांच अधिकारी एक ही व्यक्ति है। मुकेश सिंह बनाम सरकार (दिल्ली की नार्कोटिक्स ब्रांच) मामले में दो सदस्यीय पीठ ने इस फैसले पर सवाल उठाया था। इसके बाद यह मामला विचार के लिए संविधान पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा-हमारे पास कोविड-19 का सबसे कारगर उपाय

लखनऊ, जेएनएन। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना वायरस संक्रमण के पसार के दौर में आज प्रदेश को बड़ा तोहफा दिया। उन्होंने अपने सरकारी आवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दस राजकीय मेडिकल कॉलेज तथा तीन मेडिकल कॉलेज को बायो सेफ्टी लैब्स (बीएसएल)-2 का तोहफा दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान सभी लाभांवित मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य तथा अन्य जिम्मेदार अधिकारियों से वार्ता भी की। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड-19 से पूरी दुनिया त्रस्त है। कोविड-19 की अभी तक कोई भी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में हमारे पास सबसे कारगर उपाय ज्यादा से ज्यादा लोगों की टेस्टिंग करना है। हम अधिक से अधिक टेस्टिंग कर इस पर अंकुश लगा सकते हैं। अधिक से अधिक टेस्टिंग के माध्यम से कोविड संक्रमण की चेन को काफी हद तक नियंत्रित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों, पहले से कई तरह की बीमारियों से ग्रसित लोगों, गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों व कमजोर लोगों को समय पर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध करवाकर व्यापक पैमाने पर जनहानि को रोका जा सकता है। लैब का वर्चुअल शुभारंभ करते हुए सीएम योगी ने कहा कि टेस्टिंग के माध्यम से कोविड-19 के संक्रमण की चेन को काफी हद तक नियंत्रित कर सकते हैं। इन लैब के जरिए राज्य में कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच को और तेजी से कराया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सभी मेडिकल कॉलेज तथा अस्पतालों में हमको ट्रेंड लोग काफी अच्छे परिणाम दे रहे हैं। हम यह मानते हैं कि सेना की ट्रेनिंग जितनी बेहतर होगी, उनका खून कम बहेगा। यानी ट्रेंड लोग अच्छा परिणाम देंगे। सभी को अपनी क्षमता से अधिक करना होगा, जिससे कि इस महामारी पर हम नियंत्रण करने में सफल होंगे। हमको बेहतर तथा ट्रेंड मैन पावर तैयार करना है। इस महामारी से लड? के लिए हमको टीम वर्क में काम करना होगा। जिसका लाभ जनता को होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवता के कल्याण के विषय का काम अवसरों पर ही करने का मौका मिलता है। हमको यह मौका कोरोना वायरस के संक्रमण के रूप में मिला है। हम सभी को सेवा भाव से लगने होगा, जिससे कि हम लोगों का जीवन बचा सकें। ऐसे काम करने का अवसर कम ही मिलता है। लोक कल्याण का काम आज अनंत चतुर्दशी के दिन हो रहा है। हमको भरोसा है कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई हम लोग टीम वर्क से शीघ्र ही जीतेंगे। प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्रालय काफी बेहतर समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। जिसके कारण हम बड़ी आबादी को अभी इस महामारी से बचाने में सफल रहे हैं।

उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दस राजकीय व तीन निजी मेडिकल कॉलेज में बीएसएल-2 लैब का लोकार्पण एवं शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 23 मार्च को हमने किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में पहली लैब खोली थी। इस दौरान हमारे पास तो इलाज की व्यवस्था भी नहीं थी। हमारे प्रदेश से संक्रमित दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल इलाज के लिए भेजे गए।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज मंगलवार ,1 सितम्बर, 2020

संक्षेप समाचार

करमा क्षेत्र का अन्नदाता संकट में, नीलगाय एवं आवारा पशु बनें संकट के कारण

करमा। देश का पेट भरने वाला अन्नदाता भले ही सबका पेट भर देनें में सक्षम हों किन्तु किसानों की हालात दिनों दिन बदतर होती जा रहीं हैं ।विभिन्न कीट पतंगो की से फसल की रक्षा करनें बाद करमा क्षेत्र के कई गाँवों में नीलगाय एवम आवारा पशुओं की वजह से किसान वर्ग बहुत ही कमजोर एवम असहाय नजर आ रहा हैं । करमा क्षेत्र पुरई का पूरा, हथिगन, बड़गोहना खुर्द, अमरेहा, कांटी, बूँदावा, मनकवार इत्यादि गाँवों की मिट्टी बहुत ही उपजाऊ किस्म की होनें के कारण विगत कई वर्षों से धान, गेहूँ, बाजरा, मक्का, चना आदि खाद्यान्न फसलों के साथ मूली , गाजर, बैगन, भिंडी, करैला, गोभी, नेनुआ आदि की फसलें व्यापक पैमाने पर होती थी किन्तु विगत कुछ वर्षों से नीलगाय एवम आवारा पशुओं की वजह से सब कुछ चौपट हों गया हैं।

ट्रक की टक्कर से दो मजदूरों की मौत, पांच घायल

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र में हाइवे पर कृष्ण ढाबा के समीप सोमवार की भोर ट्रक की टक्कर से सीमेन्ट मिक्सर मशीन सवार दो मजदूरों की मौत हो गई। हादसे में घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के सेमरा वीखनपुर गांव निवासी गौतम (30) पुत्र राकेश कुमार और इसी गांव के प्रेमचन्द्र (25) पुत्र अनिल कुमार परिवार का भरण-पोषण करने के लिए मजदूरी करते थे। बताया जा रहा है कि एक ठेकेदार के साथ सीमेन्ट मिक्सर मशीन पर काम कर रहे थे। रविवार की देर रात काम समाप्त होने के बाद सभी लोग उक्त मशीन पर सवार होकर अपने घर के लिए वापस लौटे थे। सोरांव थाना क्षेत्र में वाराणसी हाइवे पर कृष्णा भावे की समीप पीछे से आ रहे बेकाबू ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मिक्सर मशीन पर सवार सभी मजदूर घायल हो गए। हादसे के बाद, घायल मजदूरों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल सभी घायलों को उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्रेमचन्द्र और गौतम को मृत घोषित कर दिया और अन्य घायलों का उपचार शुरू कर दिया। उधर हादसे की खबर मिलते ही परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके विधिक कार्रवाई की। अपर पुलिस अधीक्षक गंगा पार नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि ट्रक की टक्कर से सीमेंट मिक्सर मशीन पर सवार दो लोगों की अस्पताल पहुंचने के बाद मौत हो गई। हादसे घायल पांच मजदूरों को उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

मऊआइमा में दो ट्रकें सहित अनगिनत चोरियों का पुलिस नहीं कर सकी खुलासा

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र में चोरों अपराधियों के हौसले पूरी तरह बुलंद है । क्षेत्र में दो ट्रकों सहित अनगिनत अन्य चोरियों का आज तक पुलिस खुलासा नहीं कर सकी है ।जिससे लोगों में भय व्याप्त है ।
मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम अमानगंज में एजाज अहमद की खडी ट्रक चोर उडा ले गए। इसी प्रकार ग्राम जोगापुर निवासी राजेन्द्र पटेल की ट्रक घर के सामने से चोर गायब कर दिए ।ग्राम चक श्याम उर्फ पूरे हिंचा में स्थित भोलानाथ रामसुख इंटर कालेज का दरवाजा तोड कर चोर आफिस की अलमारी तोड कर पचास हजार नगदी सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए । इसी प्रकार मोबीन अहमद की बाइक ग्राम सुलतानपुर खास से चोर चोरी कर ले गए। ग्राम मरखामाऊ निवासी दिलीप कुमार की बाइक जोगापुर मंडी से चोर उडा ले गए ।ग्राम बरईपुर निवासी अखिलेश सिंह की बाइक ग्राम कहली से चोरी हो गई ।ग्राम छीतेमऊ निवासी शहरुख खान की बाइक घर के बरामदे से चोर चोरी कर ले गए । ग्राम टिकरी निवासी राजकुमार मौर्या की बाइक ब्लाकबाजार से चोर उड़ा ले गए ।ग्राम विश्म्भरपुर निवासी शिव लाल की टूयूबवेल से मोटर चोरी, ग्राम रसूलपुर निवासी राजेश यादव के ट्यूबवेल से सेंधमारी करके चोर मोटर चोरी कर ले गए । ग्राम खानपुर और किरांव स्थित प्राथमिक विधालयों से मिड डे मील का सामान और सोलर लाइटें, पंखा आदि चोर चोरी कर ले गए ।.इसी तरह क्षेत्र में छोटी बडी अनेकों चोरी की घटनाएं हो चुकी है। परन्तु पुलिस निष्क्रिय बनी हुई है। जिससे क्षेत्र में अपराधियों और चोरों के हौसले पूरी तरह बुलंद हैं।

मऊआइमा का एतिहासिक पावरलूम वस्त्र उद्योग आज से बंद

मऊआइमा। शताब्दी पुराना मऊआइमा का वस्त्र उधोग बिजली के बढे मूल्य के कारण प्रदेश बुनकर महासभा के आहवान पर एक सितम्बर मंगलवार से अनिश्चिकालीन के लिए बंद हो जाएगा। जिससे हजारों मजदूर एवं बुनकर बेरोजगार हो जाएंगें।

मऊआइमा कस्बा का कपड़ा उद्योग शताब्दी पुराना है। जिसमें हजारों लोगों की रोजी रोटी जुड़ी हुई है। उत्तर प्रदेश बुनकर महासभा के आहवान पर तीन सूत्री मांगों को लेकर जिसमें पावरलूम बुनकरों की पुरानी फ्लैट रेट योजना को बहाल करने एक जनवरी 2020 पासबुक के आधार पर बिल जमा करने तथा विधुत विभाग द्वारा बुनकरों का उत्पीड़न एंव शोषण बंद करने और पावरलूम के बुनकरों पर विधुत विभाग का फर्जी बकाया समाप्त करने आदि मांगों को लेकर एक सितम्बर मंगलवार को प्रदेश के समस्त पावरलूम एंव हथकरघा अनिश्चितकालीन के बंद कर दिए जाएंगें। सोमवार को मऊआइमा कस्बा के बुनकर नेता और पूर्व चेयरमैन हाजी मो शोएब अंसारी ने ऐलान करा कर प्रदेश बुनकर महा सभा के आहवान पर मऊआइमा क्षेत्र में लगे लगभग सात हजार पावरलूम कारखानों को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। जिसमें सभी बुनकरों ने समर्थन भी किया है। मऊआइमा का एतिहासिक पावरलूम वस्त्र उद्योग बंद हो जाने से अब रोज कमाने खाने वाले दिहाड़ी मजदूरों के समक्ष रोटी का संकट मंडराने लगा है।

हाईकोर्ट समाचार

रिहन्द सरोवर में मत्स्य पालन ठेका रद्द करने पर हस्तक्षेप से इंकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोनभद्र के रिहन्द सरोवर में मत्स्य पालन ठेका के शर्तों का पालन न करने पर ठेका रद्द कर बकाया वसूली कार्यवाई पर हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया है। किन्तु कहा है कि याची के विरुद्ध ब्लैक लिस्ट करने से पहले उसका पक्ष सुनकर ही निर्णय लिया जाय। यह आदेश न्यायमूर्ति एस पी केशरवानी तथा न्यायमूर्ति अजय भनोट की खंडपीठ ने प्रमोद सिंह की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। मालूम हो कि याची 22 नवम्बर 18 से 30 जून 28 तक रिहन्द सरोवर में मत्स्य पालन का 10 साल का ठेका 40 करोड़ 72 लाख 89 हजार 736 रुपए में स्वीकृत हुआ। जिसे बाद मे 5 साल के लिए 20 दिसम्बर 19 से 30 जून 23 तक कर दिया गया। यह ठेका 15 करोड़ 60 लाख19 हजार 220 रुपए मे तय हुआ। दो साल बढ़ाने कर सहमति बनी। 25 फीसदी जमा करने के बाद शेष 75 फीसदी वार्षिक राशि समान किस्त में जमा करनी थी। याची ने बार बार नोटिस के बाद तीन किस्तें जमा नहीं की तो निदेशक मत्स्य पालन ने ठेका रद्द कर दिया और बकाया किस्त वसूली का निर्देश दिया है। जिसे चुनौती दी गयी थी। कोर्ट ने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि याची ने संविदा अधूरी दाखिल कर तथ्य छिपाये। कोर्ट ने कहा कि याचिका पूरे तथ्यों दस्तावेजों के साथ दाखिल की जानी चाहिए। ऐसा न करना कोर्ट को धोखा देना है। याची ने शर्तें नही मानी। ठेका रद्द कर दिया गया है। कोर्ट ठेका नहीं दे सकती। कोर्ट ने हजार्नें के साथ याचिका खारिज कर दी है।

पुलिस भर्ती में कट ऑफ अंक से अधिक को चयनित न करने पर भर्ती बोर्ड से जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस और पीएसी भर्ती 2018 में ऐसे अभ्यर्थियों जिनके कट ऑफ अंक अंतिम चयनित अभ्यर्थियों के कट ऑफ अंक से अधिक है, को शामिल न करने पर पुलिस भर्ती बोर्ड और राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। विवेक कुमार और दो अन्य अभ्यर्थियों की याचिका पर न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया ने सुनवाई की। कोर्ट ने भर्ती बोर्ड को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याची के अधिवक्ता ए के त्रिपाठी का कहना था कि याचीगण ओबीसी और एससी कैटेगरी के हैं। लिखित भर्ती परीक्षा, शारीरिक मानक परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा आदि सभी वर्गों में सफल हुए हैं। उनके कट ऑफ अंक अपने-अपने वर्ग के अंतिम चयनित अभ्यर्थियों से अधिक है। इसके बावजूद उनका चयन नहीं किया गया। जबकि उनसे कम अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को चयनित कर लिया गया है । याची का कहना है कि चयन न करने का भर्ती बोर्ड ने कोई भी कारण नहीं बताया है। कोर्ट ने सभी पक्षों को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए याचिका पर सुनवाई के लिए 30 सितंबर की तिथि नियत की है।

जेई भर्ती में नियुक्ति न करने पर आयोग से कोर्ट ने मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जूनियर इंजीनियर भर्ती परीक्षा 2013 के साक्षात्कार में मानक से कम अभ्यर्थियों को बुलाए जाने तथा बैकलॉग भर्ती के 17 पदों पर नियुक्तियां न किए जाने के मामले में दाखिल याचिका पर लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश और राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।फरीज अली अंसारी और अन्य की याचिका पर न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव सुनवाई कर रहे हैं। याची के अधिवक्ता का कहना है कि 24 दिसंबर 2013 को जूनियर इंजीनियर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया। इसमें सामान्य चयन के 2747 पदों जबकि विशेष कोटे के 17 बैकलॉग पदों पर चयन किया जाना था। लिखित परीक्षा का परिणाम 16 अक्टूबर को जारी किया गया। याचीगण इसमें चयनित नहीं हो सके। याचिका में कहा गया है नियमानुसार पदों से तीन गुना अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में बुलाया जाना चाहिए था। मगर आयोग ने ऐसा नहीं किया। विशेष कोटे के 17 पदों पर चयन हेतु सिर्फ चार अभ्यर्थियों को बुलाया गया तथा कोई भी उपयुक्त अभ्यर्थी न मिलने के कारण इन पदों पर कोई चयन नहीं किया गया। जबकि याची पूरी तरह से उपयुक्त व्यक्ति है परंतु उसे साक्षात्कार में नहीं बुलाया गया। कोर्ट ने इस मामले में लोक सेवा आयोग को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

ग्राम विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों को ओएमआर सीट उपलब्ध कराने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्राम विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा 2016 के अभ्यर्थियों को ओएमआर शीट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। परीक्षा में कई अभ्यर्थियों को गलत प्रश्नों पर नम्बर ना देने के मामले पर दाखिल याचिका पर कोर्ट ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को छह सप्ताह के अंदर ओएमआर शीट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता ने प्रयागराज के जीशान अहमद सिद्दीकी व सात अन्य के मामले में सीनियर अधिवक्ता लक्ष्मीकांत त्रिगुणायत को सुन कर दिया है। याचीगण का कहना था कि वे आयोग द्वारा वर्ष 2016 में आयोजित ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा में शामिल हुए। उनका कट आफ अंक जनरल श्रेणी में 78 व ओबीसी में 77 अंक होने के बावजूद चयन नहीं हुआ। उन्होंने आरटीआई के माध्यम से जानकारी मांगी तो पता चला कि आयोग ने कुछ प्रश्नों पर गलत विकल्प पर कोई अंक नहीं दिया है। यदि इन पर निर्णय लेकर याचियों को अंक प्रदान कर दिया जाता तो इनका भी चयन हो जाता। जबकि ग्राम्य विकास अधिकारी के लगभग 400 पद अभी खाली हैं। कोर्ट को बताया गया कि इसी प्रकार के एक अन्य मामले में एक अन्य पीठ ने ओएमआर सीट देने का निर्देश दिया है। इस पर कोर्ट ने याचीगण को भी ओएमआर सीट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

महगांई से मिले निजात : भागीदारी संकल्प मोर्चा

खीरी। भागीदारी संकल्प मोर्चा के तत्वाधान में जन अधिकार पार्टी, जनता क्रांति पार्टी, भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी एवम भागीदारी आंदोलन मंच के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कोरांव उप जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सरकार से 14 सूत्री मांग किया।

जानकारी के अनुसार जन अधिकार पार्टी के सचिन कुशवाहा एवं जनता क्रांति पार्टी के जिला अध्यक्ष सिपाही लाल सिंह ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ सरकार से डीजल, पेट्रोल के बढ़ते दामों को कम करने, बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने एवं किसानों को खाद ,बीज, दवा इत्यादि तथा लॉकडाउन के दौरान छोटे व मझोले किसानों व्यापारियों, दुकानदारों का बिजली बिल माफ करने एवं प्राइवेट स्कूलों में शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षकों को बंद के दौरान गुजारा -भत्ता देने संबंधित मांग पत्र सौंपा तथा नारीबारी कोराव मुख्य मार्ग पर टोंस नदी में बना पुल को पुनः नया बनाने समेत 14 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन सौंपने के पश्चात विधान सभा प्रभारी महेश कुशवाहा ने एक अन्य बैठक में लवकुश कुशवाहा एवम लवकुश शर्मा को खीरी बूथ का क्रमश अध्यक्ष व महासचिव तथा कृष्ण बहादुर को कोलसरा बूथ अध्यक्ष का जिममेदारी सौंपते हुए पार्टी का सदस्यता दिलाए। मौके पर सूर्य लाल सिंह, राम प्रजापति, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भागीदारी आंदोलन मंच, शैलेन्द्र विकल जिला महासचिव सुहेल देव भारतीय समाज पार्टी, नंद लाल कुशवाहा, समेत दर्जनभर कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते कार्यकर्ता

उमरे प्रयागराज मंडल में चालू हुआ इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कंट्रोल सेंटर

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल में प्रयागराज, मानिकपुर, कानपुर, खुर्जा, फतेहपुर, भरवारी, मिर्जापुर, सूबेदारगंज, सिराथू, नैनी, विंध्याचल, फिरोजाबाद एवं अलीगढ़ स्टेशनों के ट्रेन टाइमिंग डिस्प्ले बोर्ड को नेशनल ट्रेन इन्क्वाइरी सिस्टम से जोड़ दिया गया है। जिससे ट्रेनों के आगमन प्रस्थान की जानकारी आटोमेटिक अपडेट होती रहेगी। अब यात्रियों को ट्रेन के आगमन प्रस्थान की जानकारी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी केशव त्रिपाठी ने देते हुए बताया है कि वीएसएस प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रयागराज डिवीजन के छह स्टेशनों के सीसीटीवी कैमरे का लाइव व्यू आरपीएफ सीसीटीवी कंट्रोल सेंटर प्रयागराज जंक्शन में सर्वर कंप्यूटर के माध्यम से 55 इंच की दो एलईडी टीवी पर दिया गया है। इसमें अलीगढ़ जंक्शन के 40, टूंडला के 40, इटावा के 34, शिकोहाबाद के 19, फफूंद के 26, फिरोजाबाद के 10 कैमरों का लाइव व्यू देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज डिवीजन अपने कर्मचारियों को तकनीकी कार्य में दक्षता लाने के लिए एक ट्रेनिंग सेंटर भी प्रयागराज स्टेशन पर खोल रखा है। जिसमें अभी इस समय 55 टीसीएम, 146 सिगनल मेंटेनर, 39 जूनियर इंजिनियर सिगनल एवं 11 जूनियर इंजिनियर टीसीएम करीब 250 कर्मचारियों की ट्रेनिंग चल रही है। श्री त्रिपाठी ने बताया कि अलीगढ़, खुर्जा, टूंडला, पनकी धाम, कानपुर, हाथरस, मानिकपुर, नैनी, फतेहपुर, प्रयागराज छिवकी और चुनार स्टेशन पर कोरोना जागरूकता और अतिचार के सम्बंध में एक ऑडियो क्लिप चलाई जा रही है। जिससे लोगों में जागरूकता आये। इसके अलावा प्रयागराज स्टेशन पर एकीकृत वीडियो निगरानी कक्ष का भी निर्माण किया गया है, जिसके माध्यम से प्रयागराज स्टेशन पर आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर नजर रखी जा सकती है।

जिला वन अधिकारी ने नेहरू युवा केंद्र पौधारोपण अभियान को सराहा

प्रयागराज। नेहरू युवा केंद्र के नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत पौधारोपण अभियान की सफलता हेतु जिला वन अधिकारी वाई पी शुक्ला के संग जिला युवा अधिकारी जागृति पांडे व जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे एषा सिंह की बैठक हुई। इसमें वन विभाग से प्राप्त किये गए छायादार पौधे फलदार पौधे व औषधीय पौधों के रोपण प्रगति पर चर्चा हुई। जिला युवा अधिकारी जागृति पांडेय ने बताया वृक्ष हमारे संरक्षक हैं इसलिए हमें उनकी संख्या में वृद्धि करनी चाहिये। नेहरू युवा केंद्र के स्वयं सेवक, युवा मंडल के द्वारा पूरे उत्साह के साथ जिले के 20 खण्ड मे सघन पौधारोपण किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों व ग्राम प्रधानों का सहयोग सराहनीय रहा। आने वाले समय में पौधों के संरक्षण के लिये अधिक प्रयास किये जा रहे हैं। नमामि गंगे जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह ने बताया गंगा ग्रामों में गंगा किनारे, मंदिर स्कूल, सार्वजनिक स्थलों पर गंगा दूत, युवा मंडल, स्पीयरहेड टीम सदस्य पौधे लगा कर हरियाली को बढ़वा दे रहे हैं और साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को जागरूक कर रहे है। नेहरू युवा केंद्र के दोनों अधिकारियों ने पौधारोपण अभियान की गतिविधियों के संबंध में जिला वन अधिकारी को अवगत कराते हुए उन्हें आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। जिला वन अधिकारी ने नेहरू युवा केंद्र द्वारा चलाये गये पौधारोपण अभियान की सराहना की और अभियान की सफलता हेतु शुभकामनाएं दी।

वन अधिकारी द्वारा सम्मानित होती जिला युवा अधिकारी जागृति पाण्डेय

पुलिस बूथ बनाये जाने पर व्यापार मण्डल का कड़ा विरोध

जसरा। तालाब की जमीन पर पुलिस बूथ बनाए जाने के प्रयास का व्यापार मंडल जसरा ने कड़ा विरोध करते हुए उप जिलाधिकारी बारा को ज्ञापन सौंपा। उप जिलाधिकारी बारा ने तालाब की जमीन पर किसी तरह का निर्माण न कराए जाने का आश्वासन व्यापारियों को दिया है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जसरा के प्रतिनिधि मंडल व यमुनापार के प्रभारी शंकर लाल मधुकर के नेतृत्व में जसरा बाजार मे रेलवे क्रॉसिंग के पास पुलिस बूथ बनाए जाने का विरोध करते हुए उप जिलाधिकारी बारा से मुलाकात किया है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जसरा के अध्यक्ष रामबाबू केसरवानी ने बताया कि जसरा लाइनपार में बांदा रोड के किनारे एक तालाब है। जिस पर कुछ दिन पूर्व कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया था। जिसे उप जिलाधिकारी ने अतिक्रमण मुक्त कराने का कार्य किया था। आज उसी तालाब पर पुनः घूरपुर पुलिस द्वारा पुलिस बूथ बना करके कब्जे का प्रयास किया जा रहा है जिसका व्यापार मंडल कड़ा विरोध करता है। वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के नेता व वरिष्ठ समाजसेवी सचिन श्रीवास्तव ने कहा है कि जसरा बाजार से दो किलोमीटर आगे गौहनिया पुलिस चौकी है तथा छः किलोमीटर पीछे बारा थाना है। ऐसी सूरत में जसरा में पुलिस बूथ बनाए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। व्यापार मंडल के यमुना पार प्रभारी शंकर लाल मधुकर के नेतृत्व में कई दर्जन व्यापारियों ने उप जिलाधिकारी बारा गौरव रंजन श्रीवास्तव से मुलाकात कर उन्हें पत्र सौंपा तथा तालाब की जमीन पर किसी तरह का निर्माण न कराए जाने से रोकने की मांग किया। उप जिलाधिकारी ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया है कि किसी भी सरकारी तालाब की जमीन पर किसी तरह का कोई भी निर्माण नहीं कराया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल में ललित श्रीवास्तव, रामबाबू केसरवानी, सुरेंद्र कुमार केसरवानी सोनू, प्रमोद कुमार डंडा, सुभाष कुशवाहा, जयप्रकाश केसरवानी, सोहन लाल कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, सत्यनारायण आदि लोग शामिल रहे।

पुलिस बूथ के लिए तालाब पर गिराई गयी मिट्टी

गरीबों के मसीहा बनकर उभरे युवा समाजसेवी मनोज

करमा। कोविड -19महामारी संपूर्ण मानव जाति कों अपने आगोश में लें चुकी हैं विगत मार्च से निरन्तर लोगों कों अनेकों कष्टों का सामना करना पड़ रहा हैं देश के अनेकों नागरिक विदेश सहित देश के विभिन्न प्रदेशों में रहकर आजीविका कों चलाने हेतु व्यवसाय एवम नौकरी करतें थे किन्तु लाकडाउन की वजह से अधिकांश लोग बेरोजगार हों गये हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में दिहाड़ी मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करनें वालें मजदूर वर्ग भी काफी मुसीबतों का सामना कर रहें हैं इन्ही सब बातों का अवलोकन करतें हुए क्षेत्र के युवा समाजसेवी मनोज पटेल पिछले चार महीनों से निरन्तर जरूरतमंद लोगों में राहत सामग्री के साथ मास्क एवम सेनीटाइजर आदि कों ग्रामीणों में वितरित कर रहें हैं। युवा समाजसेवी श्री पटेल अपने नेक कार्यों एवम दरियादिली के लिए जानें जाते हैं समय -समय पर बेटियों की शादी में आर्थिक सहयोग सहित वृक्षारोपण एवम मन्दिरों पर भंडारे आदि करवाते रहें हैं। श्री मनोज पटेल का निजी तौर पर मानना हैं कि इन्सानियत एवम मानवता से बढ़कर कोई और पुण्य हों ही नही सकता इसलिए जितना संभव हों लोगों कों निःस्वार्थ भावना से एक दूसरे की मदद करनी चाहिए।

करमा के पतेवरा में ईंट व्यापारियों नें की बैठक

करमा। सोमवार कों करमा क्षेत्र के पतेवरा गाँव स्थित जय माँ शारदा ईंट उद्योग के प्रबंधक मनोज कुमार पटेल के नेतृत्व में एक सामाजिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में फैजाबाद जनपद के पूर्व महापौर प्रत्याशी गिरीश वर्मा थे । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेटी शिक्षा, वृक्षारोपण, कुरुतियों का अन्त आदि प्रमुख विषयों पर परिचर्चा के साथ कोरोना वैश्विक महामारी से प्रभावित जन जीवन एवम ईंट उद्योग संबन्धित अनेकों बिंदुओं पर परिचर्चा की गयी । मुख्य अतिथि गिरीश वर्मा नें अपने संबोधन में बोले कि वर्तमान समय चुनौतियों से भरा जरूर हैं लेकिन हौसलों एवम सतर्कता से इस महामारी पर विजय प्राप्त की जा सकती हैं इसलिए सभी लोग कोरोना महामारी सतर्कता अपनाते हुए सरकार के दिशा निदेशों का पालन अवश्य करें। आयोजक मनोज पटेल नें भी कोरोना महामारी पर अनेकों विचार प्रस्तुत करतें हुए लोगों से संयम बरतने की अपील किये साथ ही युवा व्यापारी मनोज पटेल ईंट उद्योग में विभिन्न कठिनाइयों का भी जिक्र किये । उक्त सामाजिक आयोजन में क्षेत्र के विभिन्न ईंट उद्योग के व्यापारी सम्मिलित हुए जिसमें सामाजिक दूरी एवम विभिन्न नियमों का ख्याल रखा गया । राजेंद्र सिंह, सौरभ, अनिल, आकाश आदि लोग सम्मिलित रहें ।

सेवानिवृत्त एसआई को सम्मानित कर किया विदा

लालगोपालगंज। प्रयागराज के नवाबगंज थाना में तैनात एसआई के सेवानिवृत्त होने पर पुलिसकर्मियों ने उन्हें सम्मानित कर विदा किया गया। पुलिस कर्मियों ने उपहार भेंट कर उनका माल्यार्पण किया। इस दौरान क्षेत्र के कई सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। एसआई कृपाशंकर सिंह की पदोन्नति के बाद वह कई वर्षों से नवाबगंज थाना में तैनात रहे। सोमवार को वाह सेवानिवृत्त हो गए। थाना स्टाफ में उनकी विदाई का आयोजन किया। इस दौरान साथी पुलिस कर्मियों व अधिकारियों के साथ क्षेत्र के सामाजिक लोग उनकी ईमानदारी के कसीदे सुना रहे थे। स्टाफ के सदस्यों ने विदाई के अवसर पर एसआई का माल्यार्पण कर उपहार भेंट किया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई थी। इंस्पेक्टर नवाबगंज सुरेश सिंह ने कहा कि कृपाशंकर एक व्यवहार कुशल व्यक्ति हैं। उन्होंने अपने नौकरी के दिनों में सत्य निष्ठा से काम किया है। संचालन श्रृंगवेरपुर चौकी प्रभारी अजय सिंह ने किया। इस अवसर पर चौकी प्रभारी लालगोपालगंज विनय सिंह, अनापुर चौकी प्रभारी दीपक सिंह, मंसूराबाद चौकी प्रभारी राकेश गौतम, दांडी चौकी प्रभारी दुर्गेश राय, एसआई मुनेंद्र सिंह, रणधीर सिंह, परवेज खान, सोहराब खान, राम कुमार राम आदि समेत स्टाफ के समस्त लोग उपस्थित रहे।

नवाबगंज थाना में सेवानिवृत्त एसआई कृपाशंकर को उपहार भेंट करते लालगोपालगंज चौकी प्रभारी विनय कुमार सिंह

प्रयागराज हलचल

प्रयागराज मंगलवार, 1 सितम्बर, 2020

संक्षेप समाचार

आमसभा में किसानों व मजदूरों के हित के लिए बनी रणनीति

फूलपुर। किसानों व ग्रामीणों की आम सभा की बैठक गडौर के प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कल्लूराम पटेल ने कहा कि सरकार देश में कृषि संकट खत्म करे। साथ ही महंगाई के दृष्टिगत मनरेगा मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी में भी वृद्धि करें। उन्होंने कोरोना वैश्विक महामारी में किसानों व मजदूरों के लिए सरकार से आर्थिक पैकेज की मांग की। आमसभा में किसान महासभा के गठन व मनरेगा श्रमिक संगठन के लिए भी रणनीति बनाई गई। आमसभा में डा० कमल उसरी, राकेश यादव, राजाराम रेडियो, सुभाष पटेल, मो०अशरफ, ध्यान चन्द्र, वीरेंद्र प्रताप, कवीन्द्र वीर सिंह यादव, अभिलाष यादव, पंकज पाल ने भी श्रमिकों के हित में अपने विचार ब्यक्त किए। मौके पर रामनाथ यादव, त्रिलोकी नाथ, लवलेश,ध्यान चन्द, सत्येन्द्र तिवारी, रामनाथ यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

केन्द्रीय गाइडलाइन का पालन कराने के रोड मैप पर मुख्य सचिव को एक दिन का समय

कुत्तों को शहर से बाहर करने का निर्देश स्थगित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश में कोरोना के बढ़ते प्रकोप पर ठोस कदम न उठाने पर सरकार की खिंचाई की है। कोर्ट ने मुख्य सचिव द्वारा दाखिल हलफनामे में कोविड 19 की राष्ट्रीय गाइडलाइन एक व दो का पालन के लिए उठाये गये किसी कदम की जानकारी न देने पर नाराजगी व्यक्त की है और हाईकोर्ट ने एक दिन का समय देते हुए पूछा है कि सोसल डिस्टेन्सिंग एवं मास्क पहनने के नियम का पालन कैसे करायेंगे। याचिका की सुनवाई 2 सितम्बर को भी होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा तथा न्यायमूर्ति अजित कुमार की खंडपीठ ने क्वारेन्टाइन सेन्टरों की दुर्दशा व अस्पतालों में इलाज की बेहतर सुविधाओं को लेकर कायम जनहित याचिका पर दिया है । कोर्ट ने कहा है कि लोग सोसल डिस्टेन्सिंग व मास्क पहनने का पालन नहीं कर रहे हैं। सरकार क्या कदम उठायेगी जिससे ऐसे लोगों पर असर पड़े और लोग गाइडलाइन का पालन करने लगे। कोर्ट ने वार्ड में गाइडलाइन का पालन कराने में सभासदों की सहायता के लिए जिलाधिकारी प्रयागराज के आदेश को संतोषजनक नहीं माना और सभासदों को इस संबंध में जारी आदेश मांगा है।

कुत्तों को शहर से बाहर करने के 28 अगस्त को जारी आदेश की वापसी की मांग में अर्जी दी गयी। जिसमें कहा गया है कि प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। कोर्ट ने कुत्तों को हटाने के आदेश पर रोक लगा रखी है। इस पर कोर्ट ने अपने 28 अगस्त के आदेश जिसमें कुत्तों को बाहर करने का निर्देश दिया है, स्थगित कर दिया है और नगर निगम से अर्जी पर 10 दिन में जवाब मांगा है।

आरडी पाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल को मिली इण्टरमीडिएट की मान्यता

फूलपुर। शिक्षा के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा है वहीं वर्तमान परिवेश में अंग्रेजी शिक्षा बच्चों के सवार्गीण विकास का आधार भी है। इसलिए मेरा सदैव से प्रयास रहा कि शहरों की तरह ही क्षेत्र के ग्रामीणांचलों में भी अंग्रेजी माध्यम से बच्चों को शिक्षित किया जाए क्योंकि अंग्रेजी शिक्षा वर्तमान समय की जरूरत भी है। उक्त बातें आर डी पाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल को वैज्ञानिक वर्ग में इण्टर मीडिएट की मान्यता मिलने पर कालेज के प्रबंधक विजय पाल ने सोमवार को बाबूगंज में अभिवावकों को बधाई देते हुए कही। विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की मान्यता प्राप्त होने की खुशी में हर्षित अध्यापकों ने भी एक दूसरे को बधाई दी। अभिवावक विजय चंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि आर डी पाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने ग्रामीण क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम शिक्षा की कमी को पूरा करने का काम किया है। इसके लिए विद्यालय के संचालक बधाई के पात्र हैं।

डिग्री कालेजों में सहायक प्रोफेसर के खाली पदों को भरने की याचिका

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के राजकीय सहायता प्राप्त डिग्री कालेजों में सहायक प्रोफेसर के चार हजार खाली पदों को भरने की मांग मे दाखिल याचिका पर उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज से जानकारी मांगी है। कोर्ट ने आयोग के अधिवक्ता से 01 सितम्बर को 10 बजे 1992 में हुए कानून संशोधन पेश करने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने सौरभ कुमार सिंह व आठ अन्य की याचिका पर दिया है । याची अधिवक्ता सत्येन्द्र त्रिपाठी का कहना है कि याचीगण सहायक प्रोफेसर पद की नियुक्ति की अर्हता रखते हैं। 2014 मे 3974 पद खाली थे। खाली पदों को भरने की मांग मे याचिकाएं दाखिल की गयी। मुख्य सचिव ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि मार्च 14 तक पद विज्ञापित कर मई 14 में परीक्षा कराकर 2014-15 शिक्षा सत्र में विषयवार नियुक्तियां कर दी जायेगी। सरकार की संस्तुति पर उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग ने 2014 में 1652 पद और मार्च 2016 मे 1150 पद की भर्ती निकाली। याची अधिवक्ता का कहना है कि इसके बाद खाली पदों को भरने की कार्यवाही रुकी हुई है। जबकि उ प्र उच्च शिक्षा सेवा चयन आयोग एक्ट मे प्रति वर्ष के रिक्त पदों पर चयन करने की व्यवस्था दी गयी है। आयोग के अधिवक्ता का कहना था कि याची की भर्ती निकालने की मांग का अधिकार नहीं है। सरकार द्वारा संस्तुति मिलने पर आयोग भर्ती के लिए तैयार है। यह भी कहा कि हर वर्ष की रिक्ति की भर्ती के नियम 1992 में संशोधित कर दिये गये हैं। जिस पर कोर्ट ने संशोधन कानून पेश करने का निर्देश दिया है। सुनवाई एक सितम्बर को 10 बजे होगी।

देश के पूर्व राष्ट्रपति का निधन हमारे लिए अपूर्णीय क्षति है : जे0एन0 मिश्र

अपने पुरानी स्मृति को ताजा करते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जे0एन0 मिश्र (फाइल फोटो)

प्रयागराज। देश के पूर्व राष्ट्रपति और आजाद भारत के प्रमुख नेताओं में से एक प्रणब मुखर्जी जी का निधन हमारे लिए अपूर्णीय क्षति है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जे0एन0 मिश्र के पुत्र व कांग्रेसी नेता मनीष मिश्रा, पूर्व महासचिव, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शोक व्यक्त करते हुए बताया कि उनके पिता जी, जे०एन० मिश्र के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी से सदैव प्रगाढ़ सम्बन्ध रहे हैं। जब भी उनसे भेंट हुई वे हमेशा देश की उन्नति एवं किसानों की प्रगति पर चर्चा किया करते थे। 45 वर्ष तक कांग्रेस में रहे और 2012 से 2017 तक भारत के राष्ट्रपति पद पर रहे। देश ने एक उत्कृष्ट नेता, विद्वान एवं सच्चा राजनैतिक व्यक्तित्व खो दिया। भावभीनी श्रद्धांजलि, शत शत नमन।

हिस्ट्रीशीटर चढ़ गया पुलिस के हत्थे

प्रयागराज। कैंट थाने की पुलिस को सोमवार को बहुत बड़ी सफलता मिली है। बाघराय थाने का हिस्ट्रीशीटर धीरज सिंह बबुआ को कैंट पुलिस ने म्योराबाद स्थित चर्च से गिरफ्तार कर लिया है। धीरज सिंह बबुआ पर हत्या,हत्या के प्रयास रंगदारी के 18 मुकदमे है दर्ज हैं धीरज सिंह बबुआ हार्ड क्रिमिनल है। अपहरण की धमकी देने और रंगदारी मांगने के मामले में कैंट थाने में मुकदमा दर्द था। पुलिस को सूचना मिली कि बबुआ में उग्रवादी स्थिति चर्च के पास मौजूद है। इतना मिलते हैं पुलिस ने मौके पर पहुंच चारों तरफ से घेराबंदी कर को गिरफ्तार कर लिया उसके पास से अवैध असलहा बरामद हुआ है।

कोविड -19 के दृष्टिगत उमरे ने वर्चुअल माध्यम से किया सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन

वर्चुअल माध्यम से सेवानिवृत्त समारोह में उपस्थित उमरे के अधिकारी व कर्मचारी

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे में 136 सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किया सेटलमेंट और अन्य बकाया भुगतान

हर महीने के अंतिम कार्य दिवस पर सभी रेलवे इकाइयों में सेवानिवृत्त हो रहे रेलकर्मियों द्वारा उनके सेवा काल के दौरान उनके योगदान को परिलक्षित करने के लिए सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया जाता है। इस तरह के कार्यक्रम रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलवे, मंडल स्तर, उत्पादन इकाइयों, कार्यशालाओं और अन्य रेलवे इकाइयों में आयोजित किए जाते हैं लेकिन कोविड -19 के प्रसार के कारण; ये कार्यक्रम भौतिक सभा के साथ नहीं हो सकते थे।

कर्मचारी के साथ-साथ संगठन के लिए सेवानिवृत्ति दिवस के महत्व को ध्यान में रखते हुए; रेलवे बोर्ड द्वारा जुलाई 2020 से सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को भी रेलवे बोर्ड एवं क्षेत्रीय रेलवे के मध्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। इस वर्चुअल सेवानिवृत्ति समारोह में संबंधित रेलवे मुख्यालय से सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारी द्वारा मुख्यालय में उपलब्ध वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व्यवस्था के माध्यम से या कर्मचारी को उपलब्ध कराये गये वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के निमंत्रण लिंक का उपयोग करके कहीं और से भी इस कार्यक्रम में भाग लिया गयो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल होने की इच्छा रखने वाले कर्मचारियों के लिए उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग स्थल पर कोविड झ 19 से बचाव सम्बंधी सभी आवश्यक सावधानियों का अनुपालन सुनिश्चित किया गया। मण्डलों, उत्पादन इकाइयों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य रेलवे इकाइयों में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए; वर्चुअल सेवानिवृत्ति समारोह में शामिल होने के लिए उपलब्ध कराया गया है। यूटुब पर इस लाइव स्टीमिंग लिंक का उपयोग अन्य अधिकारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारी के परिवार के सदस्य और मित्रों आदि के द्वारा कार्यक्रम को देखने के लिए भी किया जा सकता है। सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों द्वारा सेवाकालमें हासिल की गई उपलब्धि, महत्वपूर्ण योगदान आदि का विवरण भी केंद्रीय रूप से द्वारा एकत्र किया जा रहा है, ताकि रेलकर्मियों द्वारा उनके सेवाकाल के दौरान किए गए सराहनीय कार्य को समारोह के दौरान अंकित किया जा सके। वर्तमान कोविड -19 संकट के दौरान वर्चुअल साधनों के माध्यम से सेवानिवृत्ति समारोह के आयोजन के इस पहल से , सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के साथ साथ कार्यरत कर्मचारियों के मध्य एक सकारात्मक भावना का प्रवाह करने के अतिरिक्त, कर्मचारियों के मध्य अधिक सामंजस्य और अपनेपन की भावना आयेगी।

सोमवार को सेवानिवृत्त हो रहे 136 कर्मचारियों में आगरा के 21, झांसी के 30 और प्रयागराज मण्डल के 55 और झाँसी कार्यशाला के 13 कर्मचारी शामिल हैं, जबकि 17 कर्मचारी मुख्यालय सहित उत्तर मध्य रेलवे के अन्य इकाइयों से हैं। कोविड -19 के दृष्टिगत, सेवानिवृत्त कर्मचारी को पेंशन भुगतान आदेश उपलब्ध कराने के साथ-साथ पेंशन एवं अन्य भुगतान का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए सम्बंधित बैंकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से या रेलकर्मी को भेजकर पेंशन भुगतान आदेश उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान कोविड -19 संकट के दौरान पेंशन एवं अन्य भुगतान प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता को पूर्णतः समाप्त करते हुये उत्तर मध्य रेलवे ने मार्च से अगस्त 2020 तक 1100 से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारियों को इस इलेक्ट्रॉनिक निपटान सुविधा के माध्यम से पेंशन एवं अन्य भुगतान प्रदान किया है।

अध्यापक दिवस पर मंहगे उपहार के स्थान पर फलदार वृक्ष भेंट करें विद्यार्थी : इमरान खान

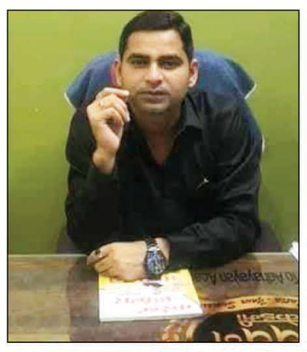

इमरान खान

करमा। प्रयागराज जनपद के रामबाग में स्थित अध्ययन एके-डमी के प्रबंध निदेशक एवम संस्थापक इमरान खान वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से यमुनापार के करछना, बारा एवम मेजा तहसील के विभिन्न छात्र - छात्राओं कों संबोधित किये श्री खान नें कहा कि कोरोना महामारी अब तक की सबसे भयावह बीमारियों में से प्रमुख हैं जिसकी वजह से समाज का हर वर्ग प्रभावित हुआ हैं। समाज में विद्यार्थी एक ऐसा वर्ग हैं जिसमें अपार संयम एवम जज्बा होता हैं जों बड़ी से बड़ी मुसीबतों कों भी परास्त करनें में सक्षम होते हैं इसलिए सभी विद्यार्थी धैर्य रखें उक्त बीमारी से स्वयं बचते हुए समाज कों भी बचायें। आगे उन्होने विद्यार्थियों से प्रकृति संरक्षण में वृक्षारोपण पर भी बल देते हुए बोले कि सभी छात्र आने वालें विश्व अध्यापक दिवस पर अपने गुरुजनों कों महँगे गिफ्ट के बजाय पाँच -पाँच फलदार वृक्ष भेंट करके गुरुजनों के आशीर्वाद के कृपा पात्र बनें।

पीडीए उपाध्यक्ष ने कालिंदीपुरम का निरीक्षण कर दिया निर्देश

प्रयागराज। वीसी प्रयागराज विकास प्राधिकरण कालिंदीपुरम पहुंचे और कई पार्कों एवं क्षतिग्रस्त मार्गों का निरीक्षण कर अधीनस्थ अधिकारियों को बरसाना एवं नंद ग्राम पार्क में कब्जा को तत्काल हटाने का आदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता एवं कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने अंकित अग्रवाल उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्राधिकरण, रवि रंजन नगर आयुक्त नगर निगम आदि सभी आला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान सख्त निर्देश दिया था कि कालिंदीपुरम में पार्कों के कब्जे एवं सभी सड़कों की दयनीय स्थिति का निरीक्षण कर तत्काल निर्माण कराने का निर्देश दिया था।

उसी क्रम में आज सोमवार को वीसी प्रयागराज विकास प्राधिकरण अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ कालिंदीपुरम के समस्त कार्य को और सभी सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान कब्जा हटाने सड़कों को दुरुस्त करने का इंजीनियर को निर्देशित किया। समीक्षा बैठक में सिद्धार्थ नाथ सिंह ने सब्जी मंडी के पास खाली पड़ी भूमि में कचरों का ढेर को तत्काल हटवाकर जमीन को पक्का कराकर सब्जी मंडी की बाजार लगवाने का निर्देश के अनुपालन में वीसी ने स्थलीय निरीक्षण किया और अधिकारियों को तत्काल कचरा हटवाकर मंडी हेतु निर्माण कराकर सड़क की पटरियों पर लगने वाली दुकानों को नए स्थल पर व्यवस्थित कराने का निर्देश दिया। इस मौके पर आलोक पाण्डेय सहित सभी प्रयागराज विकास प्राधिकरण के इंजीनियर आदि उपस्थित रहे।

संगठन को मजबूत करने के लिए गांव-गांव भ्रमण कर रहे सपा नेता

लोगों से मुलाकात कर प्रचार प्रसार करते वरिष्ठ सपा नेता नरेन्द्र सिंह

प्रयागराज। आगामी 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश के आम चुनाव में सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह अपने नेता अखिलेश यादव जी द्वारा जारी डिजिटल पत्र को छपवा कर कई दिनों से लगातार सभी छेत्र के सभी वर्गों मे वितरण कर रहे हैं। उन्होंने सोमवार को मेजा क्षेत्र के कई बुद्धिजीवियों, डाक्टर, प्रधानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, तथा युवाओं को सौंप कर प्रदेश में पुनःश्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादीपार्टी की सरकार बनाने के लिए अगस्त क्रांति की समाजवादी दिशा पत्रक सौंपकर सपा के समर्थन की अपील की ' मेजा क्षेत्र के नेवढ़िया, गोसौरा खुर्द, गुनई गहरपुर, चपरतला, शाहपुर, मेजिया सहित विभिन्न गाँवों मे भ्रमण करके पत्रक बांट कर 2022 मे समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए सहयोग की अपील की।

सपा नेता नरेंद्र सिंह ने कहा कि देश की विविधता को नष्ट करने की साजिशों के दौर में संवैधानिक मूल्यों को बचाने तथा हर नागरिक का समृद्धि और सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करने के लिए सपा कटिबद्ध है ' श्री सिंह ने कहा कि भाजपा शासन में आम आदमी को निराश और हताश होना पड़ा है। तमाम वादे कर सत्ता में आने के बाद भाजपा देश में पूंजीवाद को बढ़ावा दे कर, देश की आर्थिक और सामाजिक दशा को तहस-नहस कर रही है। उन्होने सर्व कल्याण के लिए समाजवाद को ही सही रास्ता सुझाया है। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के निर्देश पर सपा नेता नरेंद्र सिंह द्वारा डिजिटल पत्र की हजारों प्रतियां छपवाई गई हैं जिनका वितरण पूरे जनपद में किया जा रहा है।

इस मौके पर कृष्ण मुरारी मिश्र, संत बक्स सिंह, आशीष कुमार यादव, डाक्टर शायरा बानो, डाक्टर शब्बीर अली, राजेश मिश्र, हिमांशु कुमार, गोपाल मिश्र, धनन्जय सिंह, सुरेन्द्र निषाद, बनवारी बिन्द, हिमालय गुप्ता ,विकास गुप्ता, सौरभ सिंह, श्याम सुन्दर बिन्द, राज बली यादव, मुन्शी लाल यादव, बबलू पाल, संजय सेठ, राहुल सेठ, सीताराम यादव, भोला नाथ यादव इत्यादि लोग मौजूद रहे।

दौड़ में दूधनाथ व ऊंची कूद में प्रद्युम्न रहे अव्वल

प्रयागराज। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में घूरपुर क्षेत्र के पूरे खगन गांव में एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 1500 मीटर, 800 मीटर की दौड़ तथा लंबी कूद एवं ऊंची कूद में विशेष रूप से प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। एथलेटिक्स प्रतियोगिता के 1500 मीटर की दौड़ में बालक वर्ग में दूधनाथ यादव निवासी झूंसी को प्रथम स्थान, साहिल निवासी करछना को द्वितीय स्थान तथा शिवा को तृतीय स्थान मिला। वहीं 800 मीटर की दौड़ में दूधनाथ निवासी झूंसी पहले, राहुल यादव निवासी झूंसी दूसरे तथा शिवदास पटेल निवासी बारी बजहिया तीसरे स्थान पर रहे। ऊंची कूद में प्रद्युम्न आदिवासी निवासी लालापुर प्रथम, मुकेश कुमार यादव निवासी लालापुर दूसरे तथा गोलू निवासी करछना तीसरे स्थान पर रहे।

सितम्बर माह बेहद खास, यह वर्ष 823 साल बाद आता है : डॉ योगेश्वरी

प्रयागराज। यह साल का नौवां महीना शुरू होने वाला है और अभी तक कोरोना के डर से हम सभी अपने घरों में रहने को मजबूर हैं। हर एक इंसान की जिंदगी सामान्य पटरी से उतर चुकी है। डर और अनिश्चितताओं से भरा यह वर्ष हाथ में थामी गयी रेत की तरह फिसलता हुआ नजर आ रहा है। यह सितम्बर माह अपने आप में बेहद खास और आपके जीवन में दोबारा शायद ही आये। ऐसा क्यों? इस सितंबर में चार रविवार, चार सोमवार, चार मंगलवार, चार बुधवार, चार गुरुवार, चार शुक्रवार, और चार शनिवार हैं। यह वर्ष हमेशा 823 साल के बाद एक ही बार आता हैं। यह बातें आचार्य पीठाधीश्वर डॉ. योगेश्वरी माता ने हिन्दुस्थान समाचार से वार्ता के दौरान व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि सितंबर में होने वाले ग्रहों के गोचर का सीधा प्रभाव हमारी जिंदगी पर पड़ता है। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि कौन सा गोचर किस दिन होने वाला है। सितम्बर में शुक्र, बुध, सूर्य, राहु केतु का गोचर होने वाला है। उन्होंने बताया कि इस महीने मेष राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में थोड़ी उठा पटक का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि इस दौरान अपने सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलने की उम्मीद है। वृषभ राशि के जातकों ग्रहों के गोचर के परिणामस्वरूप इस माह सेहत और नौकरी के संदर्भ में प्रतिकूल परिणाम प्राप्त होंगे, जबकि प्यार और दाम्पत्य जीवन के लिए समय शुभ होगा। मिथुन राशि के जातकों के लिए यह महीना मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। करियर के लिए यह माह अच्छी सौगात लेकर आएगा। कर्क राशि के लोगों को इस पूरे माह अपने करियर, प्रेम जीवन, शिक्षा एवं सेहत को लेकर थोड़ा सजग रहने की जरूरत होगी। सिंह राशि के जातकों के लिए यह महीना बेहद आम रहने वाला है। कोई भी काम करने से पहले उसके बारे में उक्ति ढंग से सोचने-समझने की सलाह दी जाती है। कन्या राशि के जातकों के लिए करियर और पारिवारिक जीवन के संदर्भ में शुभ परिणाम लेकर आएगा। इसी प्रकार तुला राशि के लोगों के लिए कार्य क्षेत्र पर भाग्य का और अपनी सेहत का भरपूर फायदा मिलेगा। छात्रों को थोड़ा अधिक मेहनत करने की सलाह दी जाती है। वृश्चिक राशि के जातकों को अपने दाम्पत्य जीवन का आनंद उठाने का मौका मिलेगा। धनु राशि के जातकों के लिए प्रेम जीवन के लिए थोड़ा चुनौती पूर्ण साबित होगा। लेकिन कार्यक्षेत्र पर आप अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे, जिससे लाभ की प्राप्ति भी होगी। मकर राशि के जातकों के लिए आर्थिक लिहाज से सितम्बर बेहद अनुकूल रहेगा। हालांकि वैवाहिक जातकों को अपने साथी से जुड़ी कोई परेशानी तनाव दे सकती है। कुम्भ राशि के लोगों के लिए यह महीना काफी शुभ साबित होगा। इस दौरान आपको आर्थिक फायदा मिलेगा।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की बैठक सम्पन्न

बैठक की अध्यक्षता करते कांग्रेस नेता रामकिशुन सिंह पटेल

प्रयागराज। प्रदेश कांग्रेस कमेटी उ.प्र. लखनऊ के निर्देश पर सोमवार को जिला काँग्रेस कमेटी कार्यालय में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की बैठक, जिलाध्यक्ष राम किशुन सिहं पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि मा. राम सजीवन निर्मल जी पूर्व विधायक (उपाध्यक्ष अ.जाति वि.प्र.कां.क. लखनऊ) तथा विशिष्ट अतिथि मा.कन्हैया लाल सरोज रि.आईएएस व राजेश कुमार राकेश प्रदेश महासचिव अ.वि., हरदेव सिहं जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश सरोज जिला महासचिव श्री दिवाकर भारतिया जिला सचिव श्री राम मनोरथ सरोज, धर्मराज रत्नाकर, कृष्ण प्रकाश दिवाकर, मनोज पासी, पंचू लाल पासी, सुरेश कुमार पासी, आदि उपस्थित रहे।

क्रियायोग सन्देश

प्रयागराज मंगलवार, 1 सितम्बर, 2020

क्रियायोग के द्वारा सच्ची राजनीति

राजनेता व राजनीति के साथ राष्ट्र के नागरिक व राष्ट्र में रहने वाले सभी जीव–जन्तुओं, वनस्पतियों व अन्य प्राकृतिक सम्पदाओं के संरक्षण, सुरक्षा व विकास का कार्यक्रम जुडा होता है। पूरे विश्व में भारत सबसे बडा आध्यात्मिक लोकतांत्रिक राष्ट्र है। भारत की राजनैतिक नींव आध्यात्मिक शक्ति से संरक्षित है। यही वजह है कि समय के बदलाव में अनेक राष्ट्रों की सभ्यताएँ मिट गयीं लेकिन भारत की भारतीयता आज भी जागृत है। भारत भूमि पर सबसे अधिक संख्या में अवतारों और सिद्धजनों का जन्म हुआ है। ऐसे सिद्धजनों ने ही हर पीढी में भारत को प्राचीन मिश्र एवं बेबीलोन के समान दुर्गति को प्राप्त होने से बचाया है। जीवन जीने की पूर्ण व उच्चतम् जीवनशैली को अपनाकर जीवन लक्ष्य को पाने के लिए प्रत्येक शताब्दी में आत्मज्ञानी मानव जन्म लेकर लोगों का मार्गदर्शन करते रहे हैं।

वर्तमान आरोही द्वापर युग में क्रियायोग सर्वज्ञ तत्व के रूप में योगावतार श्री लाहिडी महाशय जी के माध्यम से भारत देश में अवतरित हुआ। क्रियायोग के द्वारा विश्व के सभी राष्ट्र एक दूसरे से सत्य व अहिंसा की अलौकिक शक्ति से जुड सकेंगे और मनुष्य अपने समस्त शारीरिक और मानसिक बीमारियों को दूर कर सकेगा। क्रियायोग के अभ्यास से मनुष्य में समझने की सामर्थ्य का द्रुत गति से विकास होता है। 50 मिनट में की गयी 100 क्रियाओं का अभ्यास योगी में एक दिन में नैसर्गिक 100 वर्ष के समतुल्य विकास लाती हैं। इस तरह मनुष्य 50 मिनट क्रियायोग के अभ्यास से समझने की सामर्थ्य का व्यापक विस्तार कर लेता है जिसे पाने के लिए व्याधिरहित 100 वर्ष लगते हैं। वर्तमान वैज्ञानिक युग में समय के साथ–साथ आगे बढने के लिए समझने व बूझने की उच्च शक्ति आवश्यक है। इसलिए स्वस्थ एवं शांतिमय जीवन के लिए क्रियायोग का अभ्यास आवश्यक अनुशासन है।

सिद्धजनों द्वारा लिखे गये सद्ग्रंथ घोषणा करते हैं कि जिस देश में दस सिद्धजन होंगे वह देश विनाश होने से बच सकेगा। इसी वजह से भारतीय सभ्यता आज

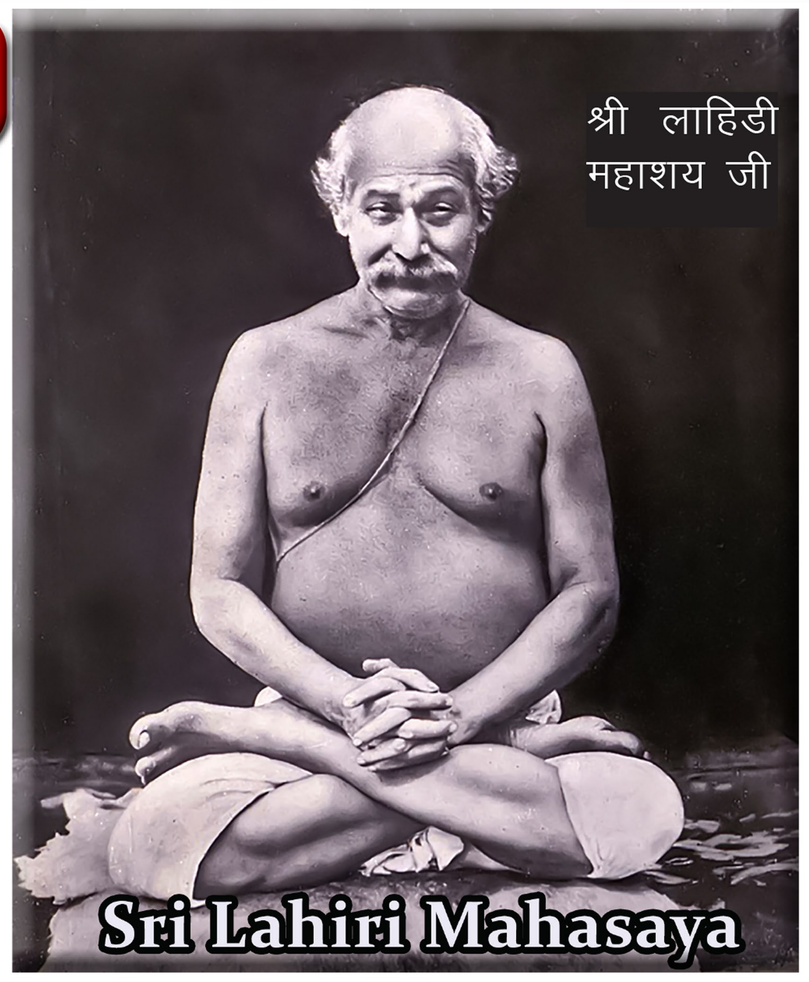

तक सुरक्षित है। सैकडों वर्ष की गुलामी के बावजूद भी भारतीय सभ्यता नष्ट होने से बच गयी। भारतवर्ष में क्रियायोग सर्वज्ञ तत्व के रूप में अवतरित होने से अब भारत में पुनः रामराज्य की स्थापना होगी। भारतीय वातावरण से अज्ञानता दूर हो सकेगी।

क्रियायोग सर्वशक्तिमान साधन के रूप में राष्ट्र को शीघ्रता से जागृत करने के लिए सरलतम् ध्यान प्रविधि है। किसी भी राष्ट्र का सच्चा धन आध्यात्मिक ज्ञान है, जिसके अंदर राष्ट्र के विकास से सम्बन्धित सभी योजनाओं के लिए सद्भावना, सद्विचार व सच्ची धारणा निहित होती है। राष्ट्र का दृश्य रूप आध्यात्मिकता से परिपूर्ण होना चाहिए। इस स्थिति में राष्ट्र की राष्ट्रीयता सुरक्षित रहती है। भारतीय सभ्यता आज तक सुरक्षित है।

TRUE POLITICS WITH KRIYAYOGA

The general understanding is that politics and politicians are designated for the development and all-round welfare of citizens and inhabitants of the nation. India is the largest democratic spiritual nation and has a strong foundation of true thought and vitality of politics and politicians because India has possessed the most highly evolved humans in every generation. A number of Avatars and Realized Masters are incarnated in India in each century and because of this India has demonstrated the most worthy lifestyle to answer all questions and to solve all problems of all creations of Cosmos.

In the present ascending Dwapara Yuga, Kriyayoga, a complete education, has incarnated through Yogavatar Lahiri Mahasaya in India, to bring unity among all human beings of all countries of the world and to heal their illness and sickness of body and mind through spiritual powers. Kriyayoga is primarily meant to accelerate the understanding power of human beings quickly. One unit of Kriyayoga is practised in about half a minute and increases understanding power which one could get in one year of disease-less life. Therefore, to attain an increase in understanding power equivalent to one hundred years, it takes fifty minutes of practice of Kriyayoga.

In the present time, we need a more advanced understanding power to cope with the present fast-moving scientific life. Therefore, Kriyayoga practice is most necessary for all humans who want a healthy and peaceful life.

Scriptures claim that a nation can be saved from destruction and suffering by ten noble and righteous persons. Kriyayoga has sufficient potential to establish this atmosphere. Now, the time has come for India to once again establish and rejuvenate the "Royal Golden Path" which will remove all ignorance from the face of humanity. Kriyayoga is the Omnipotent, perfect tool which promises to awaken the nation quickly.

The nation's truest wealth is spiritual knowledge which is a storehouse of true ideas, thoughts and concepts in all walks of activities. The nation's gross structure should be infused with spirituality. India never lost its spiritual wealth which kept Indian Heritage alive in all centuries.